

जगमग जगमग जोतां जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ,
नवरात्रा में बेगा पधारो,
इति काई देर लगाई माँ ॥

प्रथम रूप शैलपुत्री धरियो,
राजा हिमाचल घर आई माँ,
नंदी री असवारी सोहे,
हाथां त्रिशूल धरियो माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

दूसरों रूप ब्रह्मचारणी धरियो,
नारद कहे बतलाई माँ,
घोर तपश्या करी शिवजी की,
पति रूप में पाई माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

तीसरो रूप चन्द्रघण्टा धरियो,
शिवजी विवाह संग मांहि माँ,
अर्द्धशीश पर चंद्र बनायो,
चंद्रघंटा कहलाई माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,

मंदिर जोत सवाई माँ ॥

चौथों रूप कुष्मांडा धरियो,
मंद मंद मुस्काई माँ,
चौदह लोक नव खंड बनायो,
सातों दीप रे माही माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

पांचावो रूप स्कंद माता धरियो,
कार्तिक गोद खिलाई माँ,
देवासुर संग्राम में माता,
सेनापति रूप धराई माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

छटो रूप कात्यायनी धरियो,
ऋषि कात्यायनी घर आई माँ,
त्रिदेव ने शक्ति उपाई,
महिषासुर ने मारियो माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

सातवों रूप कालका धरियो,
रक्त बीज संहारो माँ,
सारो रक्त पी गई माता,
शुभम कारी काली माँ,

जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

आठवों रूप महागौरी धरियो,
नंदी की असवारी माँ,
गंगा स्नान करियो म्हारी माता,
शिवजी ने वर पायो माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

नवों रूप धरियो माँ अम्बे,
सिद्धि दात्री कहलाई माँ,
अष्ट सिद्धि वर दायनी माता,
शिवजी ने तप कीनो माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

फूलचंद मूंदड़ा महिमा गावे,
गावे सब संसार म्हारी माँ,
सांझ सवेरे सिंवरा थाने,
आंगण आप पधारो माँ,
जगमग जगमग जोता जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ ॥

जगमग जगमग जोतां जागी,
मंदिर जोत सवाई माँ,
नवरात्रा में बेगा पधारो,

इति काई देर लगाई मां ।।

गायक / प्रेषक फूलचंद जी मूंदड़ा ।
9929661377

Source:

<https://www.bharattemples.com/navratra-me-bega-padharo-iti-kai-der-lagayi-maa/>



Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App

<https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans>

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>

Telegram: <https://t.me/bharattemples>

Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZjyhhKzSUD-Lt9Tw>